ROOTINDEXING
JOURNAL ABSTRACTING AND INDEXING SERVICE
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
January-June 2023, Submitted in February 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

छात्रों में हिंसा के प्रति दृष्टिकोण: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन

गायत्री पांडिया (शिक्षा विभाग), शोधकर्ता, सनराइज़ विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)
डॉ. हरबंस लाल ,प्रोफेसर (शिक्षा विभाग), सनराइज़ विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

सार

युवा देश की प्रगति और खुशहाली का भविष्य हैं। सामाजिक रूप से समायोजित युवा राष्ट्र के साथ-साथ पूरे विश्व के लिए सबसे प्रभावी, शांतिप्रिय नागरिक होता है। लेकिन यह पाया गया है कि आज की सहस्राब्दी के युवा सामाजिक रूप से अस्वीकृत दृष्टिकोण यानी हिंसा के प्रति दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं। वर्तमान अध्ययन विभिन्न शैक्षिक स्तरों के छात्रों में हिंसा के प्रति दृष्टिकोण के बारे में चर्चा करता है। नमूना आकार ग्रेटर मुंबई क्षेत्र के अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने वाले विभिन्न शैक्षिक स्तरों के 1150 छात्रों का है। केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता का अध्ययन करने के लिए वर्णनात्मक विधि का उपयोग किया जाता है और डेटा का वर्णन और विश्लेषण करने के लिए टी-टेस्ट का उपयोग किया जा रहा है। निष्कर्षों से पता चला कि हिंसा और उसके आयामों के प्रति दृष्टिकोण के संबंध में विभिन्न शैक्षिक स्तर के छात्रों में महत्वपूर्ण अंतर है। टी-टेस्ट से पता चलता है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों में हिंसा के प्रति रवैया अधिक है। अतः शिक्षण संस्थानों, परिवार के साथ-साथ समाज को भी राष्ट्र के भावी नागरिकों में हिंसा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

मुख्य शब्द: हिंसा के प्रति दृष्टिकोण, शैक्षिक स्तर

परिचय

"हिंसा में हम भूल जाते हैं कि हम कौन हैं।"

- मैरी मैक्कार्थी

युवाओं में हिंसा दुनिया भर में एक बढ़ती हुई समस्या है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 10 से 24 वर्ष की आयु के युवाओं की मौत का दूसरा प्रमुख कारण किशोर हिंसा है। विदेशी देशों के युवा अब गंभीर हिंसक अपराध कर रहे हैं, यहां तक कि हमारा देश भारत भी युवा हिंसा की ज्वलंत समस्या से जूझ रहा है। भारत में, समाचार पत्र और प्रसारण मीडिया प्रतिदिन छात्रों द्वारा, स्कूलों या कॉलेजों में युवाओं द्वारा हिंसा पर रिपोर्ट करते हैं।

इस सहस्राब्दी समाज में युवा हिंसा युवाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। युवा पीढ़ी को विभिन्न प्रकार की हिंसा का सामना करना पड़ता है, जैसे थप्पड़ मारना, स्कूल में धमकाना, सामूहिक हिंसा, या अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं. अतः यह आवश्यक है कि आधुनिक भारत के युवाओं में हिंसा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो जो बाद में उनके व्यवहार में दिखाई दे।

संबंधित साहित्य कि समीक्षा

मुन्नी आर., मल्ही पी. (2006) ने किशोर हिंसा जोखिम, लैंगिक मुद्दों और प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन में 1500 हाई स्कूल के छात्रों की जांच करके युवा हिंसा के प्रभाव की जांच की गई। इसने गवाहों, पीड़ितों और हिंसा के अपराधियों की व्यापकता और जनसांख्यिकीय विशेषताओं का अध्ययन किया और उनके मनोसामाजिक समायोजन पर हिंसा के प्रदर्शन के प्रभाव का पता लगाया। सांख्यिकीय विश्लेषण में कहा गया है कि 69% छात्रों ने वास्तविक जीवन में हिंसा देखी है, जिनमें से 28% गंभीर प्रकृति की थीं। मीडिया में हिंसा का प्रदर्शन और धमकाना प्रचलित था। पीड़ितों और अपराधियों की व्यापकता क्रमशः 27% और 13% थी। पुरुष छात्र हिंसा देखने और उसे अंजाम देने के पूर्वानुमानित जोखिम कारक में थे। पीड़ित मुख्यतः महिलाएँ थीं। हिंसा के संपर्क में रहने वालों का स्कूल में प्रदर्शन और समायोजन स्कोर खराब था। इस प्रकार यह अध्ययन इस तथ्य को दर्शाता है कि किशोरों के जीवन में हिंसा का जोखिम प्रचलित

है और लिंग भेद मौजूद है। इसका उनके मनोसामाजिक समायोजन पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

कारागुन, ई. (2015) ने हाई स्कूल के छात्रों की हिंसा की प्रवृत्ति का अध्ययन किया। एक उद्देश्य के साथ खेल में उनकी भागीदारी, हिंसा के संपर्क की स्थिति और सामाजिक-जनसांख्यिकीय चर के संदर्भ में युवाओं की हिंसा की प्रवृत्ति का निर्धारण करना। इसका उद्देश्य लिंग, ग्रेड, स्कूल की सफलता, रहने की जगह की विशेषताएं, माता-पिता की शिक्षा, आर्थिक स्तर, खेल खेलना है या नहीं, नियमित रूप से खेल खेलने वालों को लाइसेंस प्राप्त है या नहीं, वर्षों की संख्या के अनुसार हिंसा की प्रवृत्ति के अंतर की पहचान करना है। लाइसेंस प्राप्त खेलों में बिताया गया समय, हिंसा के संपर्क में आने की स्थिति और हिंसा के संपर्क के प्रकार। नमूना आकार 459 छात्रों का था, जो कक्षा में पढ़ रहे थे। आठवीं यादृच्छिक चयन तकनीक का उपयोग कर। डेटा हस्कन और यिल्डिरिम द्वारा विकसित हिंसा प्रवृत्ति स्केल का उपयोग करके एकत्र किया गया था। अध्ययन के नतीजों से पता चला कि युवा लोगों की हिंसा की प्रवृत्ति लिंग, खेल शाखा में लाइसेंस प्राप्त होने पर काम करने, लाइसेंस प्राप्त होने पर खेल में बिताए गए वर्षों की संख्या, हिंसा के संपर्क की स्थिति और हिंसा के जोखिम के प्रकार के आधार पर काफी भिन्न होती है।

डियाज़ग्रानाडोस, एस., और नूनन, जे. (2015) ने स्कूल के माहौल और व्यक्तिगत छात्रों के हिंसा के प्रति सहायक दृष्टिकोण के संबंधों का अध्ययन किया। अध्ययन का नमूना 97,971 छात्र थे। स्कूल के यादृच्छिक अवरोधन और क्षेत्रीय निश्चित प्रभावों के साथ बहु-स्तरीय टोबिट विश्लेषण का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि सुरक्षित और सहभागी जलवायु में पढ़ाए जाने वाले बच्चे हिंसा के प्रति कम समर्थक दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, सहभागी जलवायु का प्रभाव सुरक्षित जलवायु की तुलना में लगभग दोगुना है। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि असुरक्षित और गैर-भागीदारी वाले स्कूल वातावरण की तुलना में, सुरक्षित और भागीदारी वाले स्कूल के माहौल में हिंसा के प्रति सबसे कम सहायक रवैया होता है।

कौर, एन. (2013) ने फेसबुक और स्व-छवि के उपयोग का अध्ययन किया। शोधकर्ता ने कहा कि सोशल नेटवर्किंग पिछले कुछ वर्षों का सबसे लोकप्रिय ऑनलाइन चलन है। अध्ययन में चर्चा की गई कि सोशल मीडिया साइटें न केवल दोस्तों के साथ संपर्क में रहने का एक तरीका प्रदान करती हैं बल्कि वे पेशेवर ऑनलाइन नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान करती हैं। 13-17 वर्ष के 60% से अधिक बच्चों की सोशल नेटवर्किंग साइट पर कम से कम एक प्रोफ़ाइल है, कई लोग इन साइटों पर प्रति दिन 2 घंटे से अधिक समय बिताते हैं। शोध में कनेक्टिविटी, अवसरों के संपर्क, खुले संचार जैसे सोशल नेटवर्किंग साइटों के उपयोग के फायदों पर भी चर्चा की गई है। और नुकसान जैसे प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग, हैकिंग, वायरस हमला, धोखाधड़ी की प्रतिबद्धता आदि।

एवीसीआई, आर., और गुक्रे, एस.एस. (2013) ने अंतर-अभिभावक संघर्ष, सहकर्मी और मीडिया प्रभावों और किशोरों के हिंसा व्यवहार और हिंसा के प्रति दृष्टिकोण की मध्यस्थ भूमिका के साथ इसके सीधे संबंध का अध्ययन किया। कक्षा से 2120 छात्रों, 964 लड़कियों और 1156 लड़कों का नमूना आकार चुना गया था। सातवीं और आठवीं. इस शोध में, हिंसा पैमाने के प्रति दृष्टिकोण, आक्रामकता प्रश्नावली, कथित बहुआयामी हिंसा स्रोतों की सूची और अंतर-अभिभावक संघर्ष पैमाने पर बच्चों की धारणा का उपयोग किया गया था। परिणाम बताते हैं कि हिंसा के प्रति दृष्टिकोण मीडिया-सहकर्मी प्रभावों और शारीरिक हिंसा के बीच संबंधों में आंशिक मध्यस्थ की भूमिका निभाता है, जबकि मीडिया-सहकर्मी प्रभावों और मौखिक हिंसा के बीच संबंधों में उनकी संपूर्ण मध्यस्थ भूमिका होती है।

अध्ययन की आवश्यकता

युवाओं में हिंसक प्रवृत्ति उनके सामाजिक विकास को खतरे में डालती है। पूर्वी यूरोप और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में पैटन के अध्ययन से पता चला कि दुनिया भर में 10-24 आयु वर्ग में होने वाली पांच में से दो मौतें चोटों और हिंसा के कारण हुईं। स्वयं से संबंधित हिंसा, पारस्परिक हिंसा के साथ-साथ सामुदायिक स्तर पर होने वाली हिंसक गतिविधियों को सामूहिक

रूप से देखने से युवाओं में हिंसा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन के शोधकर्ता शिक्षा के विभिन्न स्तरों के छात्रों में हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का पता लगाना चाहते हैं। वर्तमान अध्ययन में हिंसा के महत्वपूर्ण आयाम स्व-निर्देशित हिंसा, पारस्परिक हिंसा और सामूहिक हिंसा हैं।

अध्ययन का विवरण

मुंबई के छात्रों के बीच हिंसा के प्रति दृष्टिकोण: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

अध्ययन के चर

वर्तमान अध्ययन के चर हैं: हिंसा के प्रति दृष्टिकोण

शिक्षा के विभिन्न स्तरों के छात्र।

विभिन्न शैक्षिक स्तरों के छात्र वर्तमान अध्ययन के लिए विभिन्न शैक्षिक स्तरों के छात्रों को कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों के रूप में संचालित किया जाता है। महाराष्ट्र का IX सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट (SSC) बोर्ड, वाणिज्य, विज्ञान और कला स्ट्रीम से प्रथम वर्ष जूनियर कॉलेज (F.Y.J.C.) और प्रथम वर्ष डिग्री कॉलेज (F.Y. डिग्री)।

अध्ययन का उद्देश्य

- विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- तीन आयामों अर्थात स्व-निर्देशित, पारस्परिक और सामूहिक हिंसा के आधार पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- लिंग के साथ-साथ इसके आयामों के आधार पर विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण की तुलना करना।

परिकल्पना

अध्ययन के लिए शून्य परिकल्पनाएँ तैयार की गई हैं, जो इस प्रकार हैं:

- लिंग के आधार पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में कोई खास अंतर नहीं है।
- तीन आयामों अर्थात स्व-निर्देशित, पारस्परिक और सामूहिक हिंसा के संबंध में लिंग के आधार पर विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर छात्रों के हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वर्तमान अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

वर्तमान अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने रेटिंग स्केल तैयार किया है; 'हिंसा के पैमाने के प्रति दृष्टिकोण' और इसकी सामग्री की वैधता विशेषज्ञों से कराई गई। टूल की विश्वसनीयता 0.8 (स्प्लिट-हाफ) है।

नमूना

वर्तमान अध्ययन के नमूना आकार में 1150 छात्र शामिल हैं जिनमें 384 एसएससी बोर्ड कक्षा शामिल हैं। IX, 450 F.Y.J.C. (वाणिज्य, विज्ञान और कला) और 316 एफ.वाई. डिग्री कॉलेज (वाणिज्य, विज्ञान और कला) के छात्र। ग्रेटर मुंबई के दक्षिण, मध्य और उत्तरी क्षेत्रों से नमूने एकत्र करने के लिए यादृच्छिक नमूना तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

अनुसंधान क्रियाविधि

वर्तमान अध्ययन के लिए विभिन्न शैक्षिक स्तर पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया जाता है।

सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण और व्याख्या

केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता के मापों का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया जाता है। तालिका 1 लिंग और शिक्षा के स्तर के आधार पर हिंसा के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण यानी परिवर्तन का विवरण देती है।

तालिका 1: लिंग और शिक्षा के स्तर के आधार पर हिंसा के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण का वर्णनात्मक विश्लेषण

ROOTINDEXING
JOURNAL ABSTRACTING AND INDEXING SERVICE
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
January-June 2023, Submitted in February 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

Variable	Levels	Gender	N	Mean	Median	Mode	S.D	Skewness	Kurtosis
हिंसा के प्रति दृष्टिकोण	कुल		1150	119.44	120	121.12	11.54	-0.22	-0.21
	IX Std	लड़के	192	116.43	117	118.14	10.90	-0.25	-0.27
		लड़कियां	192	122.11	122	121.78	11.01	-0.14	-0.34
	F.Y.J.C.	लड़के	228	116.80	117	117.4	11.32	-0.27	0.12
		लड़कियां	222	121.43	123	126.14	10.93	-0.27	-0.49
	F.Y.डिग्री कॉलेज	लड़के	93	116.31	116	115.38	10.20	0.32	0.13
		लड़कियां	223	121.82	124	128.36	12.34	-0.44	-0.29

व्याख्या

तालिका 1 इंगित करती है कि, शिक्षा के सभी स्तरों के लिए, अर्थात, कक्षा के लिए। IX, प्रथम वर्ष जूनियर कॉलेज और प्रथम वर्ष डिग्री कॉलेज में हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का माध्य, औसत और मोड स्कोर एक दूसरे से मेल खाते हैं और इसलिए शिक्षा के सभी स्तरों के लिए वितरण लगभग सामान्य है। चित्र 1 शिक्षा के सभी स्तरों पर हिंसा के प्रति छात्रों के रवैये का लाइन ग्राफ दिखाता है ।

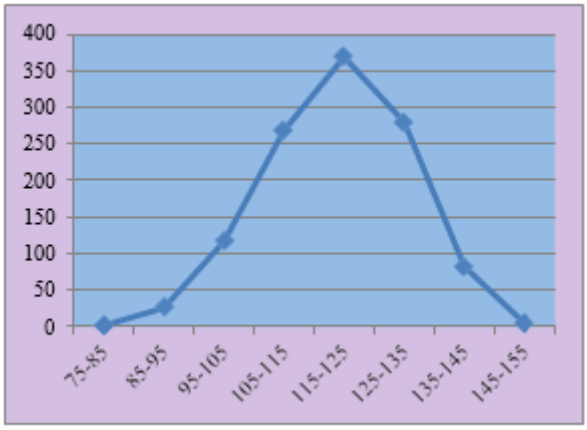

चित्र 1: शिक्षा के सभी स्तरों पर हिंसा के प्रति छात्रों के रवैये को दर्शाने वाला रेखा ग्राफ

शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का आयामवार वर्णनात्मक विश्लेषण

तालिका 2 लिंग के आधार पर छात्रों की शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर स्व-निर्देशित, पारस्परिक और सामूहिक हिंसा का आयामवार वर्णनात्मक विश्लेषण देती है।

तालिका 2: लिंग और शिक्षा के स्तर के आधार पर इसके आयामों के संबंध में हिंसा के प्रति दृष्टिकोण का वर्णनात्मक विश्लेषण

Dimension	Levels	Gender	N	Mean	Median	Mode	S.D	Skewness	Kurtosis
आत्म निर्देशित	IX Std	लड़के	192	33.49	34	33.02	3.89	-0.53	0.29
		लड़कियां	192	35.74	36	36.52	3.53	-0.15	-0.16
	F.Y.J.C.	लड़के	228	34.07	34	33.86	4.07	-0.15	-0.44
		लड़कियां	222	35.54	36	36.92	4.09	-0.43	-0.56
	F.Y.डिग्री कॉलेज	लड़के	93	33.40	33	32.2	4.10	0.07	-0.19
		लड़कियां	223	35.65	36	36.7	4.30	-0.37	-0.42
अंतर-वैयक्तिक	IX Std	लड़के	192	43.80	44	44.4	4.33	-0.27	0.02
		लड़कियां	192	45	45	45	4.34	-0.36	-0.17
	F.Y.J.C.	लड़के	228	43.31	44	45.38	4.73	-0.58	0.24
		लड़कियां	222	45.18	46	47.64	4.23	-0.39	-0.18

Scientific Indexing Services

ROOTINDEXING
JOURNAL ABSTRACTING AND INDEXING SERVICE
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
January-June 2023, Submitted in February 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

	F.Y.डिग्री कॉलेज	लड़के	93	43.28	43	42.44	4.24	0.26	-0.02
		लड़कियां	223	45.14	46	47.72	4.71	-0.39	-0.25
सामूहिक	IX Std	लड़के	192	39.14	39	38.72	5.10	0.08	-0.37
		लड़कियां	192	41.37	42	43.26	5.32	-0.19	-0.32
	F.Y.J.C.	लड़के	228	39.42	40	41.16	4.69	-0.32	0.19
		लड़कियां	222	40.70	41	41.6	4.80	-0.32	-0.23
	F.Y.डिग्री कॉलेज	लड़के	93	39.63	39	37.74	4.22	-0.03	0.66
		लड़कियां	223	41.03	42	43.94	4.95	-0.61	0.13

अनुमानित डेटा विश्लेषण परीक्षण परिकल्पनाएँ

अध्ययन के लिए शून्य परिकल्पनाएँ तैयार की गई हैं, जो इस प्रकार हैं:

- लिंग के आधार पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में कोई खास अंतर नहीं है।
- तीन आयामों अर्थात स्व-निर्देशित, पारस्परिक और सामूहिक हिंसा के संबंध में लिंग के आधार पर विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर छात्रों के हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

तालिका 3 लिंग के आधार पर विभिन्न शैक्षिक स्तर के छात्रों के लिए हिंसा के प्रति दृष्टिकोण और इसके आयामों में अंतर को दर्शाते हुए टी अनुपात और पी मान देती है।

शून्य परिकल्पना का परीक्षण t' परीक्षण का उपयोग करके किया जाता है।

तालिका 3: हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में अंतर और इसके आयाम लिंग के आधार पर विभिन्न शैक्षिक स्तर के छात्रों के लिए स्कोर

Variable	Dimensions	Groups	N	Mean	SD	t ratio	p value	Significant
IX Std		लड़के	192	116.43	10.90	5.08	5.8615E-07	S at 0.01 level
		लड़कियां	192	122.11	11.01			
	आत्म निर्देशित	लड़के	192	33.49	3.89	5.94	6.52E-09	S at 0.01 level
		लड़कियां	192	35.74	3.53			
	अंतर-वैयक्तिक	लड़के	192	43.80	4.33	2.71	0.007035	S at 0.01 level
		लड़कियां	192	45	4.34			
	सामूहिक	लड़के	192	39.14	5.10	4.20	3.29E-05	S at 0.01 level
		लड़कियां	192	41.37	5.32			
F.Y.J.C.		लड़के	228	116.80	11.32	4.41	1.30387E-05	S at 0.01 level
		लड़कियां	222	121.43	10.93			
	आत्म निर्देशित	लड़के	228	34.07	4.07	3.81	0.0002	S at 0.01 level
		लड़कियां	222	35.54	4.09			
	अंतर-वैयक्तिक	लड़के	228	43.31	4.73	4.44	1.15E-05	S at 0.01 level
		लड़कियां	222	45.18	4.23			
	सामूहिक	लड़के	228	39.42	4.69	2.87	0.004	S at

		लड़कियां	222	40.70	4.80			0.01 level
F.Y. डिग्री कॉलेज		लड़के	93	116.31	10.20	3.79	0.0002	S at 0.01 level
		लड़कियां	223	121.82	12.34			
	आत्म निर्देशित	लड़के	93	33.40	4.10	4.31	2.23E-05	S at 0.01 level
		लड़कियां	223	35.65	4.30			
	अंतर-वैयक्तिक	लड़के	93	43.28	4.24	3.29	0.001	S at 0.01 level
		लड़कियां	223	45.14	4.71			
	सामूहिक	लड़के	93	39.63	4.22	2.37	0.02 < 0.05	S at 0.05 level
		लड़कियां	223	41.03	4.95			

S=Significant, NS=Not Significant

व्याख्या और चर्चा

तालिका 3 से यह देखा जा सकता है:

- लिंग के आधार पर छात्रों के हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण अंतर है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि किसी परेशान स्थिति में लड़कों के अपने गुस्से पर काबू पाने की संभावना कम होती है और वे मानते हैं कि हिंसक होना ताकत और ताकत दिखाने के बराबर है।
- लिंग के आधार पर विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर छात्रों की हिंसा के प्रति दृष्टिकोण में तीन आयामों अर्थात स्व-निर्देशित, पारस्परिक और सामूहिक हिंसा के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर है। यह देखा गया है कि अलग-अलग शैक्षणिक स्तर के लड़कों की तुलना में लड़कियों का खुद को नुकसान पहुंचाने का रवैया कम होता है। पारस्परिक हिंसा के संबंध में आमतौर पर लड़कियाँ जब भी कोई विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न होती है तो लड़कों की तरह बहस करने और लड़ने की बजाय शांतिपूर्ण चर्चा करती हैं और हिंसक होने की बजाय बड़ों को सूचित करती हैं। और सामूहिक हिंसा के संबंध में विभिन्न शैक्षिक स्तरों के लड़के लड़कियों की तुलना में दंगों के प्रति अधिक सकारात्मक हैं।

निष्कर्ष

हिंसा का तात्पर्य "किसी विशिष्ट पाठ के शब्दों या अर्थों के लिए नुकसान या संकट या बल और अनुचित धमकी" से है। कुछ सामान्य संदर्भ जो कुछ प्रतिक्रियाओं का कारण बनते हैं वे जटिल, अत्यधिक भावनात्मक और हिंसक होते हैं। सबसे चरम घातक हिंसा' होगी जो हिंसा के कृत्यों के परिणामस्वरूप होने वाली मृत्यु को संदर्भित करती है" (हवामदेह, 2010)। इस प्रकार यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि विभिन्न शैक्षिक स्तरों के छात्रों, विशेषकर लड़कों का रवैया हिंसा की ओर थोड़ा झुका हुआ है। विभिन्न हिंसक निवारक उपायों का आयोजन करके हमारे युवाओं में हिंसा मुक्त दृष्टिकोण विकसित करना सभी शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है। और शांति शिक्षा के बारे में केवल ज्ञान और जागरूकता ही इस मुद्दे पर पर्याप्त नहीं होगी। लेकिन संस्थानों में व्यावहारिक और कार्य करके सीखने की रणनीतियों को लागू करने की आवश्यकता है, जो छात्रों के बीच हिंसा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद कर सकती हैं। और परिवार, समुदाय और समाज को बड़े पैमाने पर सचेत रूप से एक हिंसा मुक्त वातावरण प्रदान करना चाहिए क्योंकि युवा जो देखते हैं उसका अनुकरण करते हैं!

संदर्भ सूची

1. Bandura, A. (1977). सामाजिक शिक्षा सिद्धांत (Social Learning Theory). Englewood Cliffs, NJ: Prentice-Hall.
2. Broidy, L. M., & Agnew, R. (1997). लिंग और अपराध: एक सामान्य तनाव सिद्धांत दृष्टिकोण (Gender and Crime: A General Strain Theory Perspective). Journal of Research in Crime and Delinquency, 34(3), 275-306.
3. Dodge, K. A., & Coie, J. D. (1987). प्रतिक्रियाशील और प्रेरक आक्रमण में सामाजिक-सूचना-प्रसंस्करण कारक (Social-Information-Processing Factors in Reactive and Proactive Aggression in Children's Peer Groups). Journal of Personality and Social Psychology, 53(6), 1146-1158.
4. Finkelhor, D., Turner, H., Ormrod, R., & Hamby, S. (2010). बच्चों और युवाओं का शिकारीकरण: एक व्यापक, राष्ट्रीय सर्वेक्षण (The Victimization of Children and Youth: A Comprehensive, National Survey). Child Abuse & Neglect, 34(1), 29-45.
5. Huesmann, L. R. (1988). आक्रामकता के विकास के लिए एक सूचना प्रसंस्करण मॉडल (An Information Processing Model for the Development of Aggression). Aggressive Behavior, 14(1), 13-24.
6. Moffitt, T. E. (1993). किशोरावस्था-सीमित और जीवन-पथ-स्थायी असामाजिक व्यवहार: एक विकासात्मक वर्गीकरण (Adolescence-Limited and Life-Course-Persistent Antisocial Behavior: A Developmental Taxonomy). Psychological Review, 100(4), 674-701.
7. Nansel, T. R., Overpeck, M., Haynie, D. L., Ruan, W. J., & Scheidt, P. C. (2001). अमेरिका में युवाओं की धमकी देने वाली व्यवहार: प्रचलन और मनोसामाजिक समायोजन से संबंध (Bullying Behaviors among US Youth: Prevalence and Association with Psychosocial Adjustment). JAMA, 285(16), 2094-2100.
8. Patterson, G. R., Reid, J. B., & Dishion, T. J. (1992). असामाजिक लड़के (Antisocial Boys). Eugene, OR: Castalia Publishing.
9. Prochaska, J. O., & Velicer, W. F. (1997). स्वास्थ्य व्यवहार परिवर्तन के लिए ट्रांसथिओरेटिकल मॉडल (The Transtheoretical Model of Health Behavior Change). American Journal of Health Promotion, 12(1), 38-48.
10. Sampson, R. J., & Laub, J. H. (1993). निर्माण में अपराध: जीवन पथ के माध्यम से पथ और मोड़ (Crime in the Making: Pathways and Turning Points through Life). Cambridge, MA: Harvard University Press.
11. Strusinskiene, N., & Zemaitiene, N. (2009). 1994-2006 में लिथुआनियाई स्कूलों में धमकी देना (Bullying in Lithuanian Schools in 1994-2006). Medicina (Kaunas), 45(2), 147-155.
12. Tremblay, R. E., Masse, B., Perron, D., LeBlanc, M., Schwartzman, A. E., & Ledingham, J. E. (1992). वयस्कता में प्रारंभिक विघातपूर्ण व्यवहार, खराब स्कूल उपलब्धि, अपराधी व्यवहार, और अपराधी दोषसिद्धि: एक लंबी अवधि का अध्ययन (Early Disruptive Behavior, Poor School Achievement, Delinquent Behavior, and Delinquent Convictions in Adulthood: A Longitudinal Study). Journal of Consulting and Clinical Psychology, 60(1), 64-72.